अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम वर्ष (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 20/11/2022 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 100

सूचनाएँ : (1) प्रश्न क्र. 4 अनिवार्य है ।
(2) अन्य छः प्रश्नोंमें से चार प्रश्न हल किजिए ।
(3) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्रश्न 1. (अ) निचे दिये गए पर्यायों मे से सही पर्याय चुनिये। (10)

I) स्टाफ नोटेशन में 6 रेखाओं से अधिक खींची गई रेखाओं को क्या कहते है?

1) लाइन 2) लेजर लाइन 3) बार 4) टर्न

ii) दामोदर पंडीत ने सात स्वरोंकी उत्पत्ती किससे मानी है?

1) पशु-पक्षियोंकी ध्वनीस 2) पानी की ध्वनी से
3) सात पत्थरों के टुकडों से 4) इन सभी से

iii) यज्ञों मे प्रमुख गायक को क्या कहते है?

1) उदगात। 2) होता 3) आर्चिक 4) ब्रम्हा

iv) पाश्चात्य स्टाफ नोटेशन मे मींड का क्या नाम है?

1) पाज 2) अपर मोरडण्ट 3) स्थर 4) क्रेसेंन्डो

v) अष्टाध्यायी के रचियता कौन है?

1) कोहल 2) कालिदास 3) भरत 4) पाणिनी

vi) संगीतोत्पत्ती के मनोवैज्ञानिक दृष्टीकोन को दर्शानेवाला ग्रंथ ''द हिस्ट्री ऑफ म्युजिक'' के लेखक कौन है?

1) जेम्स लॉंग 2) दामोदर पंडीत
3) पं.अहोबल 4) हायटोरिश आइबो

vii) अल्लाउद्दीन खिलजी के दरबार मे प्रसिध्द कवी एवं संगीतकार का क्या नाम है?

1) शारंगदेव 2) अमीर खुसरो

3) तानसेन 4) बैजू बावरा

viii) संगीत रत्नाकर ग्रंथ की विस्तृत टीका के रचयिता है–

1) मतंग 2) बृहद्देशी 3) कल्लीनाथ 4) गोपाल नायक

ix) 4 ते 7 यह कौनसी लय कहलाती है?

1) कुवाड 2) बियाड 3) सत्वागुन 4) देढगुन

x) सा, रेगरेग रेसा यह स्वरसमुह कौनसे राग प्रकार मे प्रयुक्त होता है?

1) मल्हार प्रकार 2) भैरव प्रकार

3) बिलावल प्रकार 4) तोडी प्रकार

(ब) **उचित जोडी चुने।** **(5)**

अ	ब
I) भूमीदुन्दुभी	i) मतंग
ii) इसराज	ii) नाट्यशास्त्र
iii) धृवगीती	iii) अवनध्द्
iv) सोमनाथ	iv) नारद
v) संगीत मकरंद	iv) अहोबल
	vi) रागविबोध
	vii) तत् वाद्य

क) 1) जयपुर घराने के दो प्रख्यात कलाकारोंके नाम लिखिये। **(5)**

2) भैरव तथा बिलावल रागांग मे आनेवाले 2–2 रागोंके नाम लिखिये।

3) राग नंद में दो मुक्त आलाप लिखिये।

4) राग बिहागडा में दो मुक्त ताने लिखिये।

5) निम्नलिखित स्वरसमुदायसे राग पहचानिये तथा उस राग का आरोह–आवरोह लिखिये।

ध़ सां नि ध़ प, मंग मं ऽ ऽ ग, मंग रेसा।

प्रश्न 2. अ) राग तोड़ी अथवा गोरख कल्याण, (4+4=8+1+1=10)
किसी एक राग मे विलंबीत ख्याल / मसीतखानी गत दो आलाप और दो तानोंके साथ पं.भातखंडे स्वरलेखन पध्दती मे लिपीबध्द कीजिये।

(ब) इस वर्ष के साधारण ज्ञान के रागोंमे से किसी (3+3+4=10)
एक राग मे धमार (स्थाई–अंतरा) तथा सिर्फ अंतरे की चौगुन पं.पलुस्कर स्वरलेखन पद्धती मे लिपीबध्द कीजिए।

प्रश्न 3. संक्षिप्त टिपण्णी लिखिए। (4 X5 = 20)

i) पं.भातखंडे प्रणित इस थाट तथा उनके गुणदोष
ii) शुध्द–छायालग–संकीर्ण राग
iii) धमार
iv) राग विस्तार मे बंदिश का महत्व

प्रश्न 4. निचे दिये गए तालोंकी जानकारी लिखकर (4 X5 = 20)
लिपीबध्द किजीए।

i) ताल दिपचंदी की जानकारी, ठाह तथा तिगुन (पं.पलुस्कर लिपी)
ii) ताल आडाचौताल की जानकारी, ठाह तथा चौगुन (पं.भातखंडे लिपी)
iii) ताल चौताल मे 2 मे 3 लयकारी
iv) ताल तीनताल मे 4 मे 3 लयकारी।

प्रश्न 5. किन्ही दो राग जोडीयों मे समानता और (10+10=20)
विभिन्नता 2 आलाप तथा दो तानों के साथ वर्णन कीजिये।

1) मारवा–पुरिया
2) तोड़ी–मुलतानी
3) रामकली–पूर्वी

प्रश्न 6. नीचे लिखी गयी बंदिश को सुयोग्य राग तथा ताल में निबध्द किजीये। (20)

स्थायी – आज मैं गैया चरावन जै हो
बन मेवा मधुर फल खावत,
मोको भूख न लागत।।

अंतरा – सधन बिरखन की सीतल छाया
मोको धाम न लागत।।

प्रश्न 7. अबतक प्रचलित 'रागवर्गीकरण' प्रथा मे से ''रागांग पध्दती'' की उपयोगिता हिंदुस्थानी राग संगीत में विशेष महत्वपूर्ण साबित होती है। इस कथन का विस्तृत विवेचन करते हुअे अपने पाठ्यक्रमके कौन कौनसे रागोमें 'मल्हार' तथा 'कल्याण' रागांग का प्रभाव दिखाई देता है? यह रागवाचक आलाप तथा महत्वपूर्ण फ्रेजेस के साथ सविस्तर वर्णन किजीये। (12+8=20)